लक्ष्य गीत : राष्ट्रीय सेवा योजना

उठें समाज के लिए उठें–उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दें–2

हम उठें उठेगा जग हमारे संग साथियों
हम बढ़ें तो सब बढ़ेंगे अपने आप साथियों
जमीं पे आसमान को उतार दें–2
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

उदासियों को दूर कर खुशी को बांटते चलें
गांव और शहर की दूरियों को पाटते चलें
ज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
विज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

समर्थ बाल वृन्द और नारियां रहें सदा
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नई कतार दें–2
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

ये जाति धर्म बोलियाँ बनें न शूल राह की
बढ़ायें मेल प्रेम की अखंडता की चाह की
भावना से ये चमन निखार दें
सद्भावना से ये चमन निखार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवाद दें–2

उठें समाज के लिए उठें–उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दें–2

LAKSHYA GEET

Uthen Samaj Ke Liye Uthen - Uthen,
Jagen Swarashtra Ke Liye Jagen - Jagen
Swayam Saje Vasundhara Sanwar Den-2

Hum Uthen - Uthega jag Hamare Sang Sathiyo
Hum Badhen To Sab; Badhenge Apne Aap Sathiyo
Jamin Pe Aasmann Ko Utar Den - 2
Swayam Saje Vasundhara Sanwar Den - 2

Udasiyon Ko Door Kar Khushi Ko Bantte Chalen
Gao Aur Shahar Ki Duriyo Ko Patte Chalen
Gyan Ko Prachar De Prasar De
Vigyan Ko Prachar De Prasar Den
Swayam Saje Vasundhara Sanwar Den - 2

Samarth Bal Varidh Aur Nariyan Rahen Sada
Hare Bhare Vano Ki Oudhati Rahe Dhara
Tarakkiyon Ki Ek Nayi Katar Den - 2
Swayam Saje Vasundhara Sanwar Den - 2

Ye Jati Dharam Boliyon Bane No Shool Raah Ki
Vdhayen Bel Prem Ki Akhandata Ki Chaah Ki
Bhavana Se ye Chaman Nikhar Den
Swayam Saje Vasundhara Sanwar Den - 2

Uthen Samaj Ke Liye uthen - Uthen
Jagen Swarashtra ke Liye Jagen - Jagen
Swyam Saje Vasundhara Sanwar Den - 2